

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

**CBKG-003**

**भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र**

**(सी. बी. के. जी.)**

**सत्रांत परीक्षा**

**जून, 2025**

**सी.बी.के.जी.-003 : भारतीय एवं विश्व के  
विभिन्न कैलेण्डर**

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 70

---

**नोट :** इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

---

**खण्ड—क**

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

3×10=30

- (i) भारतीय पञ्चांग और खगोलशास्त्र में क्या सम्बन्ध है ? उदाहरण सहित लिखिए।
- (ii) भारत के विभिन्न नववर्षों का उल्लेख लिखिए।
- (iii) गैर-भारतीय कैलेण्डरों से जुड़े पर्व-त्यौहारों का वर्णन कीजिए।

**D-3111/CBKG-003**

**P. T. O.**

(iv) पारसी और फसली कैलेण्डर के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

(v) चान्द्र मास की गणना को छोड़ने से कैलेण्डर में किस प्रकार की त्रुटियाँ रह जाती हैं ? स्पष्ट कीजिए।

### खण्ड—ख

#### (लघु उत्तरीय प्रश्न)

**नोट :** सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. भारतीय पञ्चांग के किन्हीं दो प्रमुख संस्मरणों का वर्णन कीजिए। 5
3. भारतीय कालमान के नौ प्रकार कौन-कौन से हैं ? 5
4. राष्ट्रीय पञ्चांग के व्यवहार में आने वाली बाधाओं को बताइए। 5
5. क्या माया कैलेण्डर के अनुसार वर्ष 2012 में वास्तव में दुनिया का अन्त होने वाला था ? सकारण वर्णन कीजिए। 5
6. चीन के कैलेण्डर की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। 5
7. फसली कैलेण्डर किसने और क्यों प्रारम्भ किया ? 5
8. केवल चान्द्र मासों पर आधारित संवत् कौन-सा है ? चान्द्र मासों के कम दिनों को समायोजित करने के लिए उसमें क्या सुधार किए जाते हैं ? 5
9. कालगणना पर आधारित किन्हीं दो पर्वों का वर्णन कीजिए। 5

× × × × ×